विचकर

कांग्रेस कोई डूबता जहाज नहीं - राऊत

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
पुणे,14 जून- शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राऊत ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस कोई डूबता हुआ जहाज नहीं है. अतीत में कांग्रेस छोड़कर अलग दल बनाने वाले नेताओं को फिर से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करना चाहिए. राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार से इस दिशा में पहल करने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा की विकृत राजनीति का मुकाबला करने के लिए सभी को एक साथ आना होगा.

इबोला का टीका बनाने की तैयारी तेज

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून - मध्य अफ्रीका में फैले इबोला वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए भारत टीका बनाने में तेजी लाएगा. एक रिपोर्ट के अनुसार, सीरम इंस्टीट्यूट इबोला वायरस के एक वेरिएंट बुंडीबुग्यो को निशाना बनाने वाले टीके के विकास के लिए तैयार है. यह पहल ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, सेपी, डब्ल्यूएचओ और अफ्रीका रोग नियंत्रण केंद्र के सहयोग से की जा रही है.

विजयन ने राहुल गांधी पर निशाना साधा

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
कोझिकोड, 14 जून - केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का राजनीतिक रवैया इंडिया गठबंधन को मजबूत नहीं करता. उनके रवैये ने अक्सर भाजपा को ही फायदा पहुंचाया.

25 करोड़ का सोना जब्त, 10 गिरफ्तार

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून - राजस्व खुफिया निदेशालय ने कोलकाता और अगरतला में चलाए गए संयुक्त अभियान में करीब 17 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया है. इसकी कुल कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये बताई गई है. इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. वित्त मंत्रालय के अनुसार, गिरोह थाईलैंड से कोलकाता हवाई अड्डे के जरिए 11.6 किलोग्राम सोना लाने की कोशिश कर रहा था.

केरल में संक्रामक रोगों से तीन और मौतें

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
तिरुवनंतपुरम, 14 जून - केरल में जून माह में संक्रामक रोगों से तीन और लोगों की मौत की पुष्टि हुई है. स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के अनुसार, वायनाड में आठ जून को 10 वर्षीय एक बच्चे की मौत बुखार से हुई थी. वहीं, पलक्कड़ के ओट्टापालम में 11 जून को 59 वर्षीय महिला की मौत अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से हुई. एनार्कुलम में 9 जून को 85 वर्षीय महिला की मौत इन्फ्लूएंजा के कारण हुई.

भारतवंशी डॉक्टर को लंदन में अवॉर्ड

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
लंदन, 14 जून - ब्रिटेन में महाराजा किंग चार्ल्स तृतीय के जन्मदिन के मौके पर भारतीय मूल की चिकित्सक डॉ. परवीन कुमार को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ईयर सम्मान से सम्मानित किया गया है.

यह ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित शाही सम्मानों में से एक है और उन्हें वैश्विक चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया.

वह लंदन स्थित क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी और बार्ट्स एंड द लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड डेंटिस्ट्री में चिकित्सा और शिक्षा की एमेरिटा प्रोफेसर हैं. शुक्रवार रात ब्रिटेन कैबिनेट ऑफिस द्वारा घोषित सम्मानों में भारतीय मूल के लगभग 35 डॉक्टरों, उद्यमियों और कम्युनिटी विजेताओं को मान्यता दी गई है.

सीआरपीएफ के जवान पहुंचाएंगे नीट का पेपर

पुनर्परिक्षा सुरक्षित तथा निष्पक्ष तरीके से कराने की केंद्र की योजना

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून- नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा को सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से आयोजित कराने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किया है. सरकार ने प्रश्नपत्रों और ओएमआर शीट की सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती का फैसला किया है. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को प्रश्नपत्रों और ओएमआर शीट जैसी गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन और प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

बोलती खबरें
खबरें सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें.

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) 21 जून को देशभर में पुनर्परीक्षा आयोजित करेगी. सूत्रों ने कहा, परीक्षा सामग्री अहमदाबाद और हैदराबाद से लगभग 551 हब शहरों तक बहुस्तरीय हब एंड स्पोक नेटवर्क के माध्यम से पहुंचाई जाएगी. इस दौरान हवाई और सड़क दोनों मार्गों का उपयोग किया जाएगा.

सरकार ने सीआरपीएफ और सीआईएसएफ- मुख्यालयों में नोडल अधिकारियों तथा राज्यों में सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं, ताकि डाक विभाग और एनटीए के साथ बेहतर समन्वय हो. प्रश्न-पत्रों के परिवहन और वितरण के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती 19 जून तक रहेगी, जबकि 21 जून को परीक्षा समाप्त होने के बाद ओएमआर शीटों और अन्य सामग्री की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू होगी.

पूरी प्रक्रिया के दौरान दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था- संपूर्ण प्रक्रिया के लिए दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं, इसके तहत केंद्रीय बलों के जवान हवाई अड्डों, हेलीपैड और विभिन्न लॉजिस्टिक हबों पर तैनात रहेंगे. सीआरपीएफ, सीआईएसएफ के कर्मी विमानों और हेलीकॉप्टरों में परीक्षा सामग्री के साथ यात्रा करेंगे.

शादी के बाद पुरुष कर रहे ज्यादा खुदकुशी

विवाहेतर संबंध हैं बड़ी वजह

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
अमरावती,14 जून- देश में शादीशुदा पुरुषों की खुदकुशी के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एन सी आर बी) के आंकड़ों के मुताबिक 2015 से अब तक यह आंकड़ा करीब दोगुना हो गया है. 10 साल पहले 2015 में एक साल में 2497 पुरुषों ने शादी से संबंधित मामलों या फिर पत्नी से विवाद को लेकर खुदकुशी की थी. वहीं 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 4536 हो गयाय इस रेट में 82 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है.

2022 में पलट गए आंकड़े : रिकॉर्ड के मुताबिक पहले पुरुषों की तुलना में शादी संबंधित मामलों को लेकर महिलाएं ज्यादा खुदकुशी करती थीं. वहीं 2022 में यह आंकड़ा ही पलट गया. 2024 में लगातार ऐसा देखा गया कि शादीशुदा जीवन में कलह को लेकर पुरुष महिलाओं की तुलना में ज्यादा खुदकुशी कर रहे हैं. 2024 की बात करें तो शादी संबंधित मामलों में कुल 8524 लोगों ने खुदकुशी की, इनमें से 4536 यानी करीब 53 फीसदी पुरुष थे और 3986 यानी करीब 46 फीसदी महिलाएं थीं.2015 में खुदकुशी करने वाली महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में 61 फीसदी थी. हालांकि 2023 की तुलना में 2024 में शादी से जुड़े विवादों को लेकर खुदकुशी का आंकड़ा कम हुआ है. 2024 में खुदकुसी करने वाली महिलओं में से करीब दो तिहाई 30 साल से कम उम्र की थीं, वहीं पुरुषों की बात करें तो आधे से ज्यादा लोग 30 से ज्यादा की उम्र के थे. 40 फीसदी खुदकुशी करने वाले लोग 30 से 45 की उम्र के थे.

रोज 24 लोग कर लेते हैं खुदकुशी : रिपोर्ट के मुताबिक शादी या फिर पति-पत्नी के बीच विवाद को लेकर रोज करीब 23 लोग खुदकुशी करते हैं. इनमें से 12 पुरुष और 11 महिलाएं होती हैं. रोज होने वाली मौतों के औसत पर गौर करें तो रोज 30 से कम की उम्र के 5 पुरुष और 30 से ज्यादा उम्र वाले 6 पुरुष खुदकुशी करते हैं. 2019 से 2024 तक पांच साल में ऐसे खुदकुशी करने वालों की कुल संख्या 24335 थी.

क्यों खुदकुशी करते हैं शादीशुदा लोग

शादी या पति-पत्नी के बीच विवाद और खुदकुशी की मुख्य वजहों में दहेज, विवाहेतर संबंध, तलाक जैसे मुद्दे शामिल हैं. 2019 से 2024 तक कुल खुदकुशी के आंकड़ों को देखों तो करीब 18359 पुरुषों और 20485 महिलाओं ने खुदकुशी की है. 2024 में खुदकुशी के 8534 मामलों में से 3052 ऐसे थे जिनमें शादी के बाद सामंजस्य नहीं बन पाया.

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बाद से बालिका जन्म दर सुधरी

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून - देश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बाद से लड़कियों की जन्म दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार योजना शुरू होने के एक दशक के दौरान देश में प्रत्येक हजार बालक के मुकाबले लड़कियों की संख्या 929 हो गई है. मंत्रालय के आंकड़ों अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर 2014-15 में जहां यह संख्या 918 थी वहीं, 2024-25 में बढ़कर 929 हो गई है. इसके अलावा इस अभियान ने जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण काम किया है. इसके चलते लड़कियों में स्कूल जाने के आंकड़ों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. शिक्षा मंत्रालय के एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) के आंकड़ों के अनुसार, माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन 2014-15 में 75.51 फीसदी से बढ़कर 2024-25 में 80.2 फीसदी हो गया है. केंद्र की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल से बालिकाओं के जन्म से लेकर शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है.

वर्ष 2014-15 में 918 के मुकाबले 2024-25 में प्रति हजार बालक पर बालिका की संख्या 929 हुई

सबसे ज्यादा गलत समझे जाने वाला है संगठन आरएसएस

तिरुवनंतपुरम् में बोले संघ? प्रमुख मोहन भागवत

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
तिरुवनंतपुरम, 14 जून- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वैच्छिक संगठन है, लेकिन साथ ही इसे सबसे ज्यादा गलत भी समझा गया है. भागवत शनिवार को यहां आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे.भागवत ने कहा कि यूनिफॉर्म में स्वयंसेवकों के रूट मार्च के कारण बाहर के लोगों को संघ एक अर्धसैनिक बल जैसा लग सकता है, या भारतीय खेलों और मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के कारण यह एक अखिल भारतीय व्यायामशाला जैसा दिख सकता है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघ सिर्फ इतना ही नहीं है, इसे बाहर से देखकर समझना बेहद मुश्किल है. संघ को समझने का सबसे सही तरीका यही है कि आप इसके साथ जुड़ें और भीतर से इसका अनुभव करें.आरएसएस प्रमुख ने कहा, हालांकि, ऐसा करने के लिए पहले व्यक्ति को यह भरोसा होना चाहिए कि संघ को परखना और समझना पूरी तरह सुरक्षित है. कोई व्याख्यान या किताब कम से कम संघ के प्रति इतनी समझ तो विकसित कर ही सकती है.

सत्य नहीं, दुनिया ताकत का करती है सम्मान- सामर्थ्य के महत्व पर विशेष जोर देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया केवल शक्तिशाली लोगों की ही सुनती है. उन्होंने वेनेजुएला संकट का परोक्ष रूप से जिक्र किया और कहा, अगर आप मजबूत हैं, तो वेनेजुएला पर कब्जा करने के बाद भी कोई कुछ नहीं कहेगा.

संघ किसी के विरोध में नहीं

आरएसएस प्रमुख ने विरोधियों और आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि संघ किसी विशेष परिस्थिति की प्रतिक्रिया के रूप में पैदा नहीं हुआ है. संघ समाज के किसी भी वर्ग या किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं है. उन्होंने कहा, क्योंकि संघ को अक्सर गलत समझा जाता है, इसलिए अपने शताब्दी वर्ष समारोहों के हिस्से के रूप में संगठन ने तय किया है कि वह सीधे लोगों तक पहुंचेगा.

दुश्मन की बलिस्टिक मिसाइलें रोकने में भारत सक्षम

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून- भारत ने अपनी बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) प्रणाली का सफल परीक्षण किया है. रक्षा मंत्रालय की ओर से शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इस सफल परीक्षण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की क्षमता मौजूद है.इस बहुस्तरीय रक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य दुश्मन की लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों, शत्रु विमानों और हवाई प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणालियों (अवाक्स) को रास्ते में ही नष्ट करना है. वर्तमान में भारत के अलावा केवल अमेरिका, रूस और चीन जैसे गिने-चुने देशों के पास ही इस तरह की अत्याधुनिक बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता उपलब्ध है.

रक्षा मंत्री ने दी बधाई : इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेना के वरिष्ठ अफसरों को बधाई दी. उन्होंने कहा, इन परीक्षणों ने भारत को दुनिया की महाशक्तियों के उस समूह में ला खड़ा किया है, जो अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करने में पूरी तरह सक्षम हैं.

मुंबई : मॉनसून सीजन से पहले मुंबई फायर ब्रिगेड के कर्मचारी गिरगाँव चौपाटी पर बाढ़ से बचाव और बीच (समुद्र तट) पर सुरक्षा से जुड़ी ड्रिल कर रहे हैं.

केंद्र ने कैंसर की दो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी बढ़ाई

कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के चलते उठाया कदम

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून - केंद्र सरकार ने प्लैटिनम आधारित कैंसर रोधी दो दवाओं की कीमत में 50 फीसदी तक बढोतरी की है. सरकार ने यह कदम पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते कच्चे माल की बढती लागत के कारण बाजार में पैदा हुई दवाओं की कमी को देखते हुए उठाया है.

सरकारी अधिसूचना के अनुसार, भारत के दवा मूल्य नियामक, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने अपनी विशेष शक्तियों को उपयोग करते हुए दो प्रमुख कैं सर रोधी दवाओं सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन की कीमतों में इस बढोतरी को मंजूरी दी है. इन दवाओं की कीमतों को सरकार नियंत्रित करती है, ताकि ये आम जनता की पहुंच में रहें. सरकार ने इस कदम के लिए जनहित का हवाला दिया है.

मोदी-ट्रंप की फ्रांस में मुलाकात संभव

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
वाशिंगटन, 14 जून - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान 17 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे. हालांकि, इस पर भारत की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. स्थानीय मीडिया ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी. पिछले वर्ष फरवरी में वॉशिंगटन में हुई मुलाकात के बाद यह दोनों नेताओं की पहली बैठक होगी. ट्रंप सोमवार सुबह जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने फ्रांस रवाना होंगे. इस दौरान ट्रंप मिस्त्र, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और फ्रांस के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे. मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया के एक सप्ताह के दौरे पर रवाना हुए.

निपाह संक्रमण के संपर्क में सौ लोग

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
कोझिकोड, 14 जून - कोझिकोड जिले में निपाह वायरस संक्रमण की पुष्टि के बाद भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की विशेषज्ञ टीम शनिवार को यहां पहुंची.

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अब संपर्क में आए लोगों की सूची में 100 लोग शामिल हैं. इनमें चार अत्यधिक जोखिम वाले, 14 उच्च जोखिम वाले और 82 कम जोखिम वाले लोग हैं. विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने राज्य सरकार पर निपाह संक्रमण से निपटने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है.

मानसून की बारिश पर अल-नीनो का खतरा !

देश के 197 जिलों को लेकर केंद्र सरकार सतर्क

एजेंसी/ प्रतिदिन अखबार
नई दिल्ली, 14 जून- प्रशांत महासागर में उभरने वाले अल-निनो पैटर्न से मॉनसूनी बारिश में बड़ी कमी आने के जोखिम को देखते हुए केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है, इसके चलते ज्यादा प्रभावित होने वाले 197 जिलों को चिह्नित कर लिया गया है. कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि मंत्रालय अल-निनो के असर से निपटने के लिए राज्यवार आपात योजना तैयार कर रहा है. उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और यह संख्या बढ़ भी सकती है. उन्होंने कहा कि बारिश के पैटर्न में बदलाव हो सकता है, लिहाजा जहां भी जरूरत पड़े, वहां दूसरी फसलों की खेती की जा सके, इसके लिए बीजों का इंतजाम किया जा रहा है और किसानों को इसकी जानकारी दी जा रही है.

दुनिया अगले 2 साल में मौसम के बेहद खतरनाक दौर का सामना कर सकती है. मौसम के कई बड़े मॉडल संकेत दे रहे है कि प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा गर्म हो सकता है. अगर ऐसा होता है तो इसका असर सिर्फ समुद्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बारिश, सर्दी और गर्मी तीनों का मिजाज बदल सकता है.

बीमारी वाली प्रजातियों को घटाने के लिए करोड़ों मच्छर छोड़ेगा गूगल

प्रजनन के बावजूद नहीं हो पाएगा संतानों का विकास

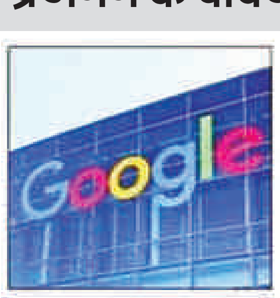

एजेंसी/प्रतिदिन अखबार
वाशिंगटन, 14 जून - मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों पर नियंत्रण के लिए अमेरिका में एक अनोखी योजना सामने आई है.

तकनीकी कंपनी गूगल ने अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) से फ्लोरिडा और कैलिफोर्निया में करोडों नर मच्छरों को छोड़ने की अनुमति मांगी है. इन मच्छरों को इस तरह तैयार किया गया है कि वे जंगली मादा मच्छरों के साथ प्रजनन तो करें, लेकिन उनकी संतानों का विकास न हो सके.

वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे समय के साथ स्थानीय मच्छर आबादी में बड़ी गिरावट आ सकती है. अमेरिकी फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित आवेदन और उससे जुडी जानकारी के अनुसार यह प्रस्तावित परीक्षण अमेरिका में मच्छर नियंत्रण के लिए एक नई जैविक रणनीति की व्यवहारिकता को परखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. फ्लोरिडा और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों में गर्म मौसम और स्थिर जल स्रोत मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं. गूगल जिन नर मच्छरों को छोडना चाहता है, उनमें वोल्वाकिया नामक बैक्टीरिया मौजूद है. यह सूक्ष्मजीव पृथ्वी पर पाई जाने वाली लगभग आधी कीट प्रजातियों में स्वाभाविक रूप से पाया जाता है और मनुष्यों या अन्य कशेरुकी (वर्टिब्रेट्स) जीवों को संक्रमित नहीं करता.

दुनिया के अन्य देशों में मिले उत्साहजनक परिणाम

इस तकनीक का सबसे मजबूत प्रमाण सिंगापुर और चीन जैसे देशों में हुए परीक्षणों से मिला है. सिंगापुर में तीन वर्षों तक चले एक अध्ययन में डेंगू फैलाने वाले मच्छरों की स्थानीय आबादी में 90 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई. कई क्षेत्रों में डेंगू संक्रमण के मामलों में भी 70 से 90 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई. चीन में इसी तकनीक से एशियाई टाइगर मच्छर की आबादी को लगभग समाप्त करने में सफलता हासिल की.

केवल नर मच्छर छोड़े जाएंगे

वैज्ञानिकों ने केवल नर मच्छरों को छोडने की योजना बनाई है क्योंकि नर मच्छर खून नहीं चूसते और इंसानों को नहीं काटते. वे पौधों के रस पर जीवित रहते हैं और उनका मुख्य उद्देश्य मादा मच्छरों के साथ प्रजनन करना होता है.

जब वोल्याकिया से संक्रमित नर मच्छर किसी ऐसी जंगली मादा के साथ प्रजनन करता है जिसमें वही बैक्टीरिया नहीं होता, तो अंडों का विकास नहीं हो पाता. वैज्ञानिक इस प्रक्रिया को साइटोप्लाज्मिक इनकम्पैटिबिलिटी कहते है. सरल शब्दों में बैक्टीरिया की असंगति भ्रूण बनने की प्रक्रिया को रोक देती है.

राबड़ी के कंगन की जांच की मांग

एजेन्सी, प्रतिदिन अखबार
पटना, 14 जून - जदयू ने राबड़ी देवी द्वारा गायक छोटू छलिया को कंगन देने के मामले की जांच करवाने की मांग की है. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता व विधानपार्षद नीरज कुमार ने शनिवार को इस संबंध में ईओयू के अपर पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर कार्रवाई का अनुरोध किया है. इस पत्र में उन्होंने कहा कि कंगन को लेकर परस्पर सार्वजनिक बयान आ रहे हैं. ऐसे में इसकी जांच आवश्यक है. दरअसल, गुरुवार की रात लालू प्रसाद के जन्मदिन को लेकर सांस्कृतिक आयोजन किया गया था. इसमें छोटू छलिया बतौर गायक शामिल हुए थे.